जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 86
दिनांक 10.05.2023

हाई–टेक कृषि विकास के साथ एग्रीकल्चर स्टार्टअप समय की आवश्यकता –कुलपति डॉ. पीके मिश्रा

जनेकृविवि में हाई–टेक खेती और कृषि–आधारित स्टार्टअप विषय पर कार्यशाला संपन्न

जबलपुर 10 मई, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यआतिथ्य में अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग द्वारा कृषि महाविद्यालय जबलपुर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में हाई–टेक खेती और कृषि–आधारित स्टार्टअप विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मुख्यअतिथि की आसंदी से कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि भारतीय कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की जबरदस्त क्षमता है, क्योंकि इससे देश की बहुत बड़ी आबादी जुड़ी हुई है। कुलपति डॉ. पीके मिश्रा ने कहा कि हमारी कृषि जो ग्रामीण क्षेत्रों की अवधारणा के अनुसार हो रही है, शहरी क्षेत्रों में भी कृषि विकास हाई–टेक कृषि के रूप में हो। आपने कहा कि तेजी से शहरीकरण के कारण भूमि घट रही है, कृषि योग्य भूमि कम हो रही है। लिहाजा हाई–टेक कृषि समाधान के रूप में हो सकती है। कुलपति डॉ. पीके मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय में अनेक कृषि स्टार्टअप्स शुरू किये गये हैं, कई ऐसे स्टार्टअप्स हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर संचालित हैं। आपने छात्रों के कैरियर निर्माण के लिये ऐसी कार्यशाला को सराहनीय निरूपित किया है, जो कि कृषि के छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिये बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगी।

कार्यशाला के मुख्य आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा ने स्वागत उद्बोधन एवं कार्यशाला आयोजित करने के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये कहा कि, हमारे छात्र–छात्राओं को परपंरागत कृषि ज्ञान के साथ–साथ कृषि क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर हाई–टेक कृषि जैसे नये–नये विकल्पों को अपनाने की जरूरत है। भविष्य में विश्वविद्यालय के कृषि छात्रों के रोजगार, उच्च शिक्षा और कैरियर के बेहतर विकल्प के लिये अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

कार्यशाला में जनेकृविवि के पूर्व छात्र और एग्रीकॉन–2022 सदस्य एवं भारत, अफ्रीका और बांग्लादेश में हाइड्रोफोनिक्स एवं हाई–टेक खेती परियोजनाओं के सलाहकार और खेतीबाड़ी परियोजना,नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक एवं मुख्यवक्ता डॉ. प्रवीण सिंह इस क्षेत्र में अपने अनुभव और विशेषज्ञता को कर्मचारियों और छात्रों के साथ साझा किये। इस दौरान आपने कहा कि कृषि तकनीकी और कुछ नही बल्कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल कर उपज को बढ़ाने, कुशलता लाने और राजस्व में वृद्धि करने का उपाय है। भारत में बहुत से कृषि तकनीकी स्टार्टअप्स मुख्य रूप से बाजार आधारित हैं, जहां ई–कॉमर्स कंपनियां ताजे और ऑर्गेनिक फल और सब्जियां सीधे किसानों से खरीद कर बिक्री करती हैं, लेकिन हाल में बहुत से स्टार्टअप्स ने किसानों की कठिनाईयों के अभिनव टिकाऊ समाधान प्रदान करने शुरू किये हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स अब बायो गैस संयंत्र, सौर ऊर्जा चलित प्रशीतन गृह, पानी पम्प करने, मौसम का पूर्वानुमान करने, छिड़काव करने वाली मशीन, बुआई की मशीन और वर्टिकल फार्मिंग जैसे समाधानों से किसानों को आय बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। मुख्यवक्ता डॉ. प्रवीण ने छात्र–छात्राओं के सवालों के जवाब भी दिये और भविष्य में एक मकसद बनाकर भविष्य एवं कैरियर बनाने के लिये महत्वपूर्ण सुझाव एवं अनुभव साझा किये।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमित झा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अमित शर्मा ने किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय,जबलपुर डॉ. पी.बी.शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, नाहेप प्रमुख डॉ. आर.के. नेमा, डॉ. एस.बी.दास, जनेकृविवि के पूर्व छात्र एवं अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार एवं मुख्यवक्ता डॉ. प्रवीण सिंह सहित सभी विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं छात्र–छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल संचालन में अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग के श्री जशवंत सिंह, श्री राजू चौहान सहित अन्य की सराहनीय भूमिका रही।